सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

नई दिल्ली
चैत्र 01, शक संवत् 1948
22 मार्च, 2026

श्री नीतीश कुमार जी,

बिहार दिवस के इस विशेष अवसर पर आपको और बिहार के मेरे सभी भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं।

बिहार दिवस, बिहार के समृद्ध इतिहास, बिहार के सामर्थ्य और बिहार की परंपराओं का उत्सव मनाने का दिन है। ये भारत की सशक्त पहचान में बिहार के अमूल्य योगदान को याद करने का अवसर है। बिहार की धरती ने प्राचीन काल से ही ज्ञान, आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों के माध्यम से समाज को समृद्ध किया है। इस धरा पर दिये गये भगवान बुद्ध के विचार आज भी वैश्विक चेतना का हिस्सा हैं और मानवता को मार्ग दिखा रहे हैं। इस भूमि ने आचार्य चाणक्य जैसे महान कूटनीतिज्ञ का प्रभाव देखा, जिन्होंने सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के साथ मिलकर एक सशक्त और संगठित भारत की नींव रखी। ये विरासत आज भी भारत की सोच और दिशा को प्रेरित करती है।

बिहारवासियों ने देश और दुनियाभर में अपनी मेहनत, ईमानदारी और प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाई है। समाज की सेवा हो या फिर उद्योग जगत, शिक्षा का क्षेत्र हो या कला और संगीत की विधा, हर क्षेत्र में बिहारवासियों का योगदान अतुलनीय है। हर किसी के साथ मिलकर आगे बढ़ने और सफल होने की बिहार के लोगों की प्रवृत्ति बहुत ही सराहनीय है।

बिहार के लोग जहां भी जाते हैं, अपने साथ राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि और मूल्यों को भी लेकर जाते हैं। मुझे याद है जब मैं मुख्यमंत्री था, तब भी मैंने बहुत करीब से देखा है कि कैसे बिहार के लोग गुजरात की प्रगति में योगदान दे रहे थे। खासकर सूरत के विकास में उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बिहार गठन के 100 साल पूरे होने पर सूरत में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। उसमें सभी लोगों ने मिलकर बिहार की गौरवशाली विरासत का उत्सव मनाया था। इसी तरह मैंने मॉरीशस, गुयाना और त्रिनिदाद एंड टोबैगो में भी बिहार की संस्कृति को फलते-फूलते देखा है। वहां भी बिहार की जड़ों से जुड़े लोगों ने अपनी संस्कृति को सहेजकर रखा है। बिहार की सांस्कृतिक परंपराएं आज वैश्विक पहचान बना रही हैं। महापर्व छठ इसका सबसे सशक्त उदाहरण है, जो अब दुनियाभर में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। ये बिहार के सांस्कृतिक विस्तार को दर्शाता है।

बिहार कई महान विभूतियों की जन्मभूमि और कर्मभूमि रही है, जिन्होंने भारत की लोकतांत्रिक और बौद्धिक परंपराओं को आकार दिया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय बिहार ने देश को एक नई दिशा दी। चंपारण में महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की शुरुआत की, जिससे आजादी के संघर्ष को नई ऊर्जा मिली। जब भारत को विदेशी शासन से मुक्ति मिली, तब बिहार के कई महान नेताओं ने संविधान निर्माण में अपना अहम् योगदान दिया। इसके साथ ही उन्होंने ये भी सुनिश्चित किया कि जन-जन की आकांक्षाएं पूरी हों। डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सच्चिदानंद सिन्हा और बाबू जगजीवन राम जैसे महान व्यक्तित्वों के प्रयास देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करने वाले हैं।

1970 के दशक की शुरुआत और मध्य में भारतीय लोकतंत्र को सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था। तब लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी ने लोगों को लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हो रहे हमलों का डटकर विरोध करने के लिए प्रेरित किया। कुछ ही समय पहले एनडीए सरकार को जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित करने का अवसर मिला, जिसकी देशभर में सराहना हुई।

मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे और मेरी सरकार को बिहार की विकास यात्रा को और तेज गति देने का अवसर मिला है। पिछले एक दशक में हमारा फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और समावेशी विकास पर रहा है। हमारी पहल से राज्य के प्रयासों को नई ऊर्जा मिली है। इससे न केवल राज्य के लोगों के लिए नए-नए अवसर बने हैं, बल्कि भारत की विकास यात्रा में बिहार की भूमिका और सशक्त हुई है। वर्ष 2004 से 2014 की तुलना में बिहार को मिलने वाली केन्द्रीय सहायता में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इससे बड़े पैमाने पर विकास परियोजनाओं को गति मिली है।

आज बिहार में गरीबों के जीवन में ठोस बदलाव दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 40 लाख से अधिक घर बनाए गए हैं। उज्ज्वला योजना के तहत 1 करोड़ 20 लाख से अधिक परिवारों को गैस कनेक्शन मिला है। सौभाग्य योजना के माध्यम से घर-घर तक बिजली पहुंचाई गई है।

हमारे किसान साथी भी इस बदलाव के केंद्र में हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत बिहार के किसानों को 30 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में दी गई है। मुझे विशेष रूप से गर्व होता है जब मैं बिहार की नारी शक्ति को आगे बढ़ते हुए देखता हूं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 1 करोड़ से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं और 31 लाख से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं, जो आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं।

बिहार के स्थानीय उत्पादों को ग्लोबल स्तर पर पहचान दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। मखाना जैसे उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए नेशनल मखाना बोर्ड का गठन किया गया है, जो बिहार के किसानों और उद्यमियों के लिए नए अवसर बनाएगा।

नालंदा विश्वविद्यालय बिहार की ऐतिहासिक धरोहर है, जिसे एक नई पहचान देने का प्रयास हुआ है। इसके माध्यम से बिहार की प्राचीन ज्ञान परंपरा को जीवंत किया जा रहा है।

कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। रेल और हवाई संपर्क के विस्तार से बिहार को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में बड़ी सुविधा हुई है। बिहार का एविएशन सेक्टर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले वर्ष हमने पटना हवाई अड्डे पर एक नए टर्मिनल को राष्ट्र को समर्पित किया था। इसी प्रकार दरभंगा की हवाई कनेक्टिविटी में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पूर्णिया में भी एक नए टर्मिनल भवन का निर्माण हुआ है। पिछले वर्ष औंटा-सिमरिया पुल प्रोजेक्ट के उद्घाटन पर लोगों के उत्साह को मैं कभी नहीं भूल सकता! आने वाले समय में बिहार के विकास की इस रफ्तार को और तेजी मिलने वाली है।

आपके नेतृत्व में बिहार एक बड़े परिवर्तन का साक्षी बना है। सुशासन के साथ समाज के सभी वर्गों के कल्याण के प्रति आपकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता ने राज्य में विश्वास, स्थिरता और प्रगति की एक नई धारा शुरू की है। आज का बिहार, अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर, आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है। बिहार की ये यात्रा, वास्तव में भारत की यात्रा का ही प्रतिबिम्ब है, जिसमें निरंतरता, परिवर्तन और आशा तीनों साथ-साथ चल रहे हैं।

इस अवसर पर, मैं एक बार फिर आपको और बिहार के सभी नागरिकों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि बिहार निरंतर प्रगति करते हुए समृद्धि के नए आयाम स्थापित करे और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहे।

आपका,

(नरेन्द्र मोदी)